हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 12 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मण्डला से 196 श्रद्धालु माँ कामाख्या शक्ति पीठ के दर्शन को रवाना

मण्डला। राज्य शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत मण्डला जिले के 196 वरिष्ठ नागरिकों का दल शनिवार को माँ कामाख्या शक्ति पीठ के दर्शन के लिए रवाना हुआ। जिला योजना भवन परिसर के सामने आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बसों को हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को विदा किया। श्रद्धालुओं का यह दल बसों के माध्यम से पहले नैनपुर पहुंचेगा, जहाँ से आगे की यात्रा रेल द्वारा की जाएगी। मंत्री श्रीमती उइके ने सभी तीर्थयात्रियों को पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आप सभी वरिष्ठ नागरिकों को माँ कामाख्या शक्ति पीठ के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आस्था का प्रतीक है। शासन की यह योजना बुजुर्गों को देश के पवित्र तीर्थों के दर्शन का अवसर दे रही है। तीर्थयात्रियों के यात्रा पर प्रस्थान करने से पूर्व जिला योजना भवन में केबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार मण्डला हिमांशु भलावी सहित तीर्थयात्रियों के परिजन उपस्थित रहे।

जनहानि रोकने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश लागू

मण्डला। मानसून के दौरान झरनों, नदी-नालों एवं अन्य जल स्त्रोतों पर होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए नैनपुर एसडीएम आशुतोष सिंह ठाकुर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार अनुभाग नैनपुर के अंतर्गत सभी झरनों, नदियों, वाटरफॉल तथा अन्य दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के 50 मीटर के दायरे में प्रवेश, पिकनिक मनाना, रील बनाना, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, जलक्रीड़ा एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही खाद्य सामग्री की अस्थायी दुकानें या ठेले लगाने तथा अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों की भी अनुमति नहीं होगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जलमग्न पुल-पुलियों, रपटों को पार करना अथवा पार करने का प्रयास करना, जलभराव वाले क्षेत्रों में वाहन ले जाना या खड़ा करना प्रतिबंधित रहेगा।

ग्रामीण प्रतिभाओं के सपनों को नई उड़ान देगा यह नवाचार-श्रीमती संपतिया उइके

मंडला में प्रोजेक्ट संकल्प हुआ लॉन्च

*** हर विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण मागदर्शन होगा उपलब्ध।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की विशेष पहल पर जिले के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क तैयारी कराने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट संकल्प का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट के जिला योजना भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके पश्चात सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोजेक्ट संकल्प को लॉन्च किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रोजेक्ट संकल्प अत्यंत सराहनीय और दूरदर्शी पहल है। इससे जिले के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस योजना की जानकारी अपने परिवार और आसपास के अन्य बच्चों तक भी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि यह पहल मंडला के विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने वाली है। गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और आधुनिक संसाधनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। यह नवाचार निश्चित रूप से जिले के शिक्षा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

क्या है प्रोजेक्ट संकल्प ?

प्रोजेक्ट संकल्प पर जानकारी देते हुए कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने बताया कि यह प्रोजेक्ट जिले की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण तैयारी का समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जिले के 80 शासकीय विद्यालयों में विद्यालय समय से पहले प्रातः 9:30 से 11 बजे तथा विद्यालय समय के बाद शाम 4:30 से 5 बजे तक निःशुल्क कोचिंग संचालित की जाएगी। इसके लिए प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था फिजिक्स वाला के साथ समन्वय किया गया है। विद्यार्थियों को रिकॉर्डेड लेक्चर, डाउट क्लियरिंग सेशन तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन की सुविधा भी मिलेगी।

प्रथम बिन्दु - प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग

प्रोजेक्ट के तहत विद्यार्थियों को जेईई, नीट, सीयूईटी एवं क्लेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, साप्ताहिक टेस्ट, मॉक टेस्ट, ओएमआर आधारित परीक्षा, मेंटरशिप, फॉर्म भरने में मार्गदर्शन तथा करियर विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों, इंजीनियरों के गेस्ट लेक्चर की सुविधा मिलेगी।

द्वितीय बिन्दु - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की पहल

प्रोजेक्ट संकल्प के तहत न सिर्फ जिले के सभी शासकीय विद्यालयों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग दी जायेगी बल्कि कौशल विकास आधारित शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करना भी इसका उद्देश्य है। जिसके लिए कक्षा 11वी एवं 12वी के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर फोकस रखा जायेगा। प्रोजेक्ट के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु एमसीक्यू आधारित मासिक परीक्षाएं, ग्रेडिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग, टॉपर क्लब, रिमेडियल कक्षाएं, मॉडल उत्तर, अभिभावक-शिक्षक बैठक तथा प्रत्येक माह उत्कृष्ट विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्राचार्यों के सम्मान जैसे प्रेरक माध्यम अपनाए जायेंगे।

करियर मार्गदर्शन पुस्तिका एवं करियर पाथ पोस्टर लॉन्च

इस अवसर पर करियर मार्गदर्शन पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषयवार करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, आवश्यक योग्यता एवं रोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। इसके साथ ही करियर पाथ पोस्टर का विमोचन भी किया गया। यह सामग्री विद्यार्थियों को विषय चयन, उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इसे विद्यालयों, पंचायतों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर उपलब्ध कराया जाएगा।

अब नहीं भरेगा रेडक्रास एवं सुभाष वार्ड में पानी

एसडीएम ने केबिनेट मंत्री दिलाया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अतिवर्षा की संभावित परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बैठक लेकर विभिन्न विभागों की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान रेडक्रास भवन के सामने थोड़ी सी बारिश में ही जल भराव की समस्या सामने आई और साथ ही सुभाष वार्ड में बारिश के दौरान जो गलियों में दो फिट से ज्यादा पानी भर जाता है उसको लेकर भी सवाल खड़े किये गये इस पर एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम ने बताया कि रेडक्रॉस क्षेत्र एवं बड़चौराहा सहित संवेदनशील स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था कर दी गई है तथा सुभाष वार्ड में भी ड्रेनेज व्यवस्था सुचारु रखी जाएगी।

बैठक में एसएलआर हीरालाल तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी संबंधित विभागों को उनके दायित्व स्पष्ट कर दिए गए हैं। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां किसी भी आपात स्थिति में 07642-251079 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि आरबीसी 6-4 के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के भी निर्देश दिए गए हैं।

जिस तरह समीक्षा बैठक में जिम्मेदार विभागों के प्रमुखों द्वारा दावा किया गया कि अब किसी भी तरह से जल भराव की स्थिति नगर में नहीं बनेगी सभी विभागों को उनके दायित्व स्पष्ट कर दिये गये तो प्रश्न यह उठता है कि क्या इस बैठक के पूर्व विभागों को उनके दायित्व स्पष्ट नहीं थे और यही कारण था कि नगर में जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही थी। इसका आशय यह भी लगाया जाये कि वर्षा पूर्व जो और बैठकें हुई हैं जिनमें बारिश को लेकर चर्चा की गई क्या वे बैठकें सिर्फ औपचारिकता पूरी करने के लिये आयोजित की गई थी जब समस्या सिर पर आ गई तब विभागों को अपने दायित्व स्पष्ट हो रहे हैं तो इससे तो यही समझा जायेगा कि इसके पूर्व विभाग गफलत में थे या फिर आराम की नींद सो रहे थे।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एंटी वेनम सहित आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि सर्पदंश की घटनाओं में लोग झाड़-फूंक पर भरोसा न करें, बल्कि मैदानी अमला तत्काल सक्रिय होकर पीड़ित को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना सुनिश्चित करे।

बम्हनीबंजर के शिक्षक के बेटे अभिनंदन का आईआईटी रुड़की में चयन

*** PW के मार्गदर्शन से मिली सफलता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/बम्हनीबंजर

बम्हनीबंजर निवासी शिक्षक अभित गुप्ता और आभा गुप्ता के पुत्र अभिनंदन गुप्ता ने आईआईटी रुड़की में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। अभिनंदन महर्षि विद्या मंदिर, मंडला के छात्र हैं और उन्होंने इसी वर्ष कक्षा 12वीं की परीक्षा में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उल्लेखनीय है कि अभिनंदन नवोदय विद्यालय पदमी के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने वहां कक्षा 10वीं तक अध्ययन किया। नियमित विद्यार्थी के रूप में पढ़ाई करते हुए उन्होंने यह सफलता हासिल की। अभिनंदन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय को दिया। उन्होंने कहा कि नियमित पढ़ाई, कठोर परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और PW का श्रेष्ठ मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल हुआ। गौरतलब है कि अभिनंदन के अग्रज अभिसार गुप्ता भी IIT रुड़की से बी.टेक कर रहे हैं। इस तरह एक ही परिवार के दो बेटों ने IIT में जगह बनाकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

विद्यालय प्राचार्य श्रीकांत सोनी ने अभिनंदन को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के सकारात्मक शैक्षणिक माहौल और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्हें विश्वास है कि अभिनंदन आगे भी मेहनत से जिले और देश का नाम ऊंचा करेगा।

अभिनंदन की इस उपलब्धि पर बम्हनीबंजर के नागरिकगण और विद्यालय के शिक्षकों,स्टाफ ने भी खुशी जताई और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय का मानना है कि उनकी यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी।

अनदेखी | **हाइवे में घूम रहे अवारा मवेशियों को गौशालाओं में भेजने प्रशासन करे व्यवस्था।**

आवारा मवेशी बन सकते हैं गंभीर दुर्घटना का कारण

*** लापरवाह पशु मालिकों पर हो कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगर परिषद क्षेत्र से होकर गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाईवे)– NH 30 इन दिनों सड़क सुरक्षा की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। हाईवे पर बड़ी संख्या में आवारा मवेशियों का खुलेआम विचरण और सड़क के बीचों-बीच उनका बैठना वाहन चालकों के लिए लगातार खतरा बनता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि दिन हो या रात, हाईवे पर गाय और बैल बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं, जिसके कारण दुर्घटनाओं का खतरा हर समय बना रहता है।

क्षेत्रवासियों के अनुसार हाईवे के डिवाइडर पर लगी लोहे की रेलिंग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त और टूट चुकी है। इससे मवेशी अचानक एक ओर से दूसरी ओर सड़क पार कर जाते हैं। तेज रफ्तार से आ रहे वाहन चालकों को उन्हें देखकर वाहन नियंत्रित करने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। रात के समय सामने से आने वाले वाहनों की तेज रोशनी के कारण सड़क पर बैठे मवेशियों को देख पाना और भी कठिन हो जाता है, जिससे हादसों की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले लंबे समय से बाइक सवार, कार चालक और अन्य वाहन चालक आवारा पशुओं से टकराकर घायल होते रहे हैं। कई बार वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी और दीर्घकालिक व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है।

नागरिकों का आरोप है कि यदि किसी वाहन की टक्कर किसी मवेशी से हो जाती है, तो कई बार वाहन चालक को ही विवाद, मारपीट और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में राहगीरों और वाहन चालकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जबकि मूल समस्या सड़क पर खुले घूम रहे मवेशी हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा समय-समय पर आवारा पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा जाता है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद वे फिर सड़कों पर दिखाई देने लगते हैं। लोगों का आरोप है कि पशु मालिकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और दंडात्मक प्रावधानों का पालन नहीं होने से यह समस्या लगातार बनी हुई है। उनका मानना है कि जब तक जिम्मेदार पशु मालिकों पर नियमानुसार कार्रवाई नहीं होगी, तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

सड़क सुरक्षा से जुड़े जानकार भी समय-समय पर हाईवे पर आवारा मवेशियों को गंभीर दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बताते रहे हैं। मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई सड़क हादसे सामने आए हैं, जिनमें लोगों की जान तक चली गई है। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे व्यस्त मार्गों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है।

स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा जिला प्रशासन से मांग की है कि हाईवे से आवारा मवेशियों को तत्काल हटाया जाए, डिवाइडर की क्षतिग्रस्त रेलिंग की शीघ्र मरम्मत कराई जाए तथा पशुओं को सुरक्षित गौशालाओं या निर्धारित कांजी हाउस में रखा जाए। साथ ही सड़क पर पशुओं को खुला छोड़ने वाले पशु मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

खबर संक्षेप

लायंस क्लब अध्यक्ष बनी श्रीमति जायसवाल, शपथ ग्रहण समारोह आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

समाज सेवा के लिये सदा ही अग्रणी रहने वाली लायंस क्लब द्वारा जिस तरह से शिक्षा से लेकर अन्य जरूरी कार्यो के लिये कार्य किये जाते है उन्हें कभी बुलाया जा सकता है। इसी के चलते ही साल क्लब द्वारा अपने नये अध्यक्ष की नियुक्त करते हुये उन्हें विधि पूर्वक शपथ दिलाई जाती है। इसी क्रम में पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमति अनीता/रविशेखर जायसवाल द्वारा अध्यक्ष नियुक्त होने पर आज शपथ ग्रहण समारोह आयोजत होगा। बताया जाता है कि अध्यक्ष निवास पर 3233 C एवं BOD में नॉमिनेशन कमेट का गठन हुआ, जिसमें क्लब के वरिष्ठों द्वारा आगामी 2026-27 हेतु नई टीम का गठन किया गया है। इस टीम में नायन अनिता जायसवाल अध्यक्ष, लायन के आर सप्रे सचिव, लायन पी एस तिवारी कोषाध्यक्ष को सर्व सहमति से चुना गया है। इस तरह बनाई गई नई टीम का आज शपथ ग्रहण समारोह जबलपुर से मुख्य अतिथि के रूप में पधार रे लायन नरेन्द्र जैन तथा विशिष्ठ अतिथि लायन यशवंत सिंह सेंगर व शपथ अधिकारी रीजन चेयर पर्सन लायन दुर्गेश धूपर व जोन चेयर पर्सन लायन ज्ञानेन्द्र शर्मा द्वारा शपथ दिलाई जावेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया कन्या हाईस्कूल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। शनिवार को ग्राम कोंडिया के शासकीय कन्या हाईस्कूल का निरीक्षण डाक्टर अनिल कुशवाहा जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। उन्होंने कक्षा इस दौरान कक्षा नवमी एवं दसवीं कक्षा की छात्राओं से कक्षाओं में जाकर बात की और परीक्षाओं में अच्छे प्रतिशत लाने के लिए छात्राओं को महत्वपूर्ण टिप्स दिए। बताया जाता है कि शिक्षा अधिकारी द्वारा छात्राओं के स्वास्थ उनके जागने का समय और दिनचर्या के बारे में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस अवसर पर प्राचार्य जयमोहन शर्मा सहित स्कूल स्टॉफ के सदस्य एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

जब शिक्षण संस्थाओं में लाइयब्रेरी ही नहीं है तो फिर फिस किस बात की वसूली जाती है...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बीते हुए माह नया शिक्षण सत्र शुरू हुआ ही है कि अनेक निजी स्कूलों द्वारा अभिभावको को लुभाने के लिए अपना जाल फैलना शुरू कर दिया था? वही दूसरी ओर नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने के दो माह के बाद छात्र छात्राएँ जहाँ अपनी शालायें खुलने की उत्सुकता से खुश नजर आ रहे थे। वही दूसरी ओर शिक्षक भी अपने स्तर पर अध्यापन के लिए मानसिक तौर पर तैयार हो चुके है। मगर इस स्थिति मे अभिभावक बच्चों के लिए कापी, किताबों अन्य सामग्री की व्यवस्था के साथ ही महँगी फीस के प्रबंध मे जुटे हुये देखे जा रहे है । अभिभावक चहते है कि शुरू हुये इस नए सत्र में शालाओं का माहौल इतना बेहतर हो जाए कि छात्र छात्राओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। वही कतिपय अभिभावकों ने बताया कि वर्तमान मे शहर के निजी व शासकीय प्राथमिक शाला भवनों की हालत ठीक नही है, वही कुछ प्राथमिक शालाओं मे छोटे बच्चों को मुख्य सुविधाएँ तक उपलब्ध नही है। दूसरी ओर जागरूक अभिभावकों की शिकायत है कि यह बडे ही विडम्बना की बात है कि अधिकतर क्षेत्र के हायर सेकेंड्री स्कूलों मे वाउंड्रीबाल, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के बावजूद लायब्रेरी की व्यवस्था करने मे कोताही बरती गयी है तथा अनेक हाई स्कूल ऐसे है जिनमे पहले पुस्तकालय थें। किन्तु अब उनके संचालन मे रूचि न होने से किताबें आलमरियों मे बंद कर दी गयी है, जिससें छात्र छात्राएँ पुस्तकों से लाभान्वित नही हो पा रहे है।

जब शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में इतनी लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है तो फिर क्यों नहीं पढ़ना चाहते नेता व अधिकारी अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर शासन द्वारा शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही है और इसी के चलते सरकार द्वारा बडे ही जोर शोर से हर साल स्कूल चले हम अभियान चलाते हुये शहरो से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की शासकीय शिक्षण संस्थाओं में बडे ही धूमधाम से शिक्षा सत्र की शुरूआत की जाती है और उसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ अधिकारियों खूब भाषण देते हुये शिक्षा के क्षेत्र में सरकार से लेकर शिक्षा विभाग की उपलब्धियाँ गिनाई जाती है। मगर इसके बाद भी इन नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा अपने बच्चों को इन सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाने में परहेज क्यों किया जाता है...? जबकि देखा जावे तो सरकारी स्कूलों में बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक कुशल व योग्यतावान होते है जो कठिन परीक्षाओं को पास करने के बाद शिक्षक पद पर नियुक्त किये जाते है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इसके बाद भी इन अधिकारियों से लेकर नेताओं की इन शासकीय संस्थाओं में अपने बच्चों को पढ़ाने को लेकर इन सरकारी स्कूलों से बनाई जाने वाली दूरी निश्चित ही अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है...? इस सच्चाई के चलते अब सबाल पैदा होता है कि क्या इन शासकीय शालाओं के शिक्षकों पर नेताओं व अधिकारियों द्वारा क्या भरोसा नही रहता है..? आखिर में वह कौन से कारण है जिसके चलते नेताओं व अधिकारियों सहित पैसा वालों के बच्चें इन शासकीय शिक्षण संस्थाओं से दूरी बनाकर रखते है। यह सबाल इस समय नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रही निजी शिक्षण संस्थाओं में छात्रों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए अपने आप ही उठ रहे है..। जहां एक ओर सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में बढ़ने वाले बच्चों के लिए सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। वही दूसरी ओर उन सुविधाओं का सही क्रियान्वयन कराने के लिए जिन अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को नियुक्त करते हुये उनके संचालन की जम्मेदारी सौपी जाती है और उनके ही बच्चें उन सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों में बढ़ते हुए देखे जा रहे है आखिर ऐसा क्यों? प्रतिवर्ष देखा जाता है कि जब नये शिक्षण सत्र की शुरूआत होती है तो जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों द्वारा प्रवेश उत्सव का आयोजन मनाते हुए जहां शासन की राशि की होली खेलने में कोई कसर नही छोड़ते है। वही दूसरी ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं को बताते हुए जनप्रतिनधियों द्वारा सरकारी स्कूलों के लिए अच्छा बताते हुए शासन की योजनाओं को छात्र छात्राओं तक पहुंचाने की बात कहते हुए वाही वाली तो लूटी जाती है। मगर वही अधिकारी व नेता अपने बच्चों को आखिर इन सरकारी स्कूलों में पढ़ना क्यों पसंद नही करते है...? इन सरकारी स्कूलों से इन जिम्मेदारों द्वारा अपने बच्चों को पढ़ाने में क्यों परहेज किया जाता है। जिन अधिकारियों व नेताओं द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में शासन की योजनाओं को अच्छा बताते हुए अभिभावकों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की सलाह देते हुए देखा जाता है और उन्ही सलाहकारों के बच्चे उस दौरान निजी स्कूलों में प्रवेश लेते हुए देखे जाते है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सरकारी स्कूलों के संचालन की बागडोर संभालते हुए यह अधिकारी व नेता यह सोच बनाये हुए होते है कि उनके बच्चों को अच्छी सरकारी नौकरी मिल जावे तो उनका भविष्य बन जावे। जिन अधिकारियों द्वारा आम लोगों को शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अच्छी पढ़ाई का भरोसा दिलाया जाता है तो फिर वह इन स्कूलों पर विश्वास क्यों नही कर पाते है...? आज के समय में जिस प्रकार अधिकारियों से लेकर नेताओं द्वारा सरकारी स्कूलों से अपने बच्चों की दूरी बनाई जा रही है इसी का परिणाम है कि हमारे देश व प्रदेश में शासकीय स्कूलों का शिक्षा स्तर ऊपर की ओर नही उठ पा रहा है। आज के समय में हालात इस तरह देखने मिल रहे है कि हर छोटे बडे नेता से लेकर अधिकारी व साधन संपन्न पैसा वाला धनपति व्यक्ति यही सोच रखता है कि उनके बच्चों की सरकारी नौकरी लग जावे जिससे उसकी जिन्दगी संभल जावे...? मगर जब वह अपने बच्चों को पढ़ाई में सरकारी स्कूलों से दूर रख रहे है तो फिर सरकारी नौकरी की सोच आखिर में क्यों रखी जा रही है...? यही कारण है कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई ला रही शिक्षा के क्षेत्र में सारी योजनाओं के बाद भी सरकारी स्कूलों के शिक्षा स्तर में सुधार की स्थिति नही बन पा रही है। इस संबंध में आमजन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यदि सरकार द्वारा नियम बना दिया जावे की जो छात्र किसी सरकारी संस्था से पढ़ाई करके निकलेगा तो उसे सरकारी नौकरी में पहले प्राथमिता दी जावेगी तो अपने आप ही शासकीय शिक्षण संस्थाओं का शिक्षा स्तर सुधरने में देर नही लगेगी। क्योंकि इन सरकारी स्कूलों में नेताओं से लेकर बड़े अधिकारियों द्वारा रूख उसी समय किया जाता है जब कोई कार्यक्रम होता है और उन्हें मालाएं पहनने के लिए बुलाया जाता है इसके उपरांत शायद ही कोई नेता व अधिकारी इन स्कूलों की खबर लेता हो कि आखिर में इन स्कूलों में पढ़ाई किस प्रकार से कराई जा रही है। जबकि गौर किया जावे तो जिन निजी स्कूलों में इन अधिकारियों व नेताओं के बच्चे पढ़ाई करते है उन स्कूलों में हर माह अभिभावकों की मीटिंग होने पर इनके द्वारा अपनी उपस्थित दर्ज कराने से नही चूकते है। क्योंकि उन स्कूलों में इनके बच्चें जो पढ़ रहे होते है। इतना ही नही शिक्षा विभाग से जुडे हुए उन अधिकारियों द्वारा भी अपने बच्चों को इन स्कूलों से पढ़ाने में इतना परहेज किया जाता है जिनके ऊपर उन्ही सरकारी स्कूलों का संचालन की बागढ़ोर होती है और सरकार द्वारा उसके लिए हर माह पैसा भी दिया जाता है और उन्ही के द्वारा भी उन शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों पर भरोसा नही किया जाता है जिनका संचालन करना उनके हाथ में होता है। आमजन की मांग है कि सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों से लेकर सत्ताधारी पार्टी से जुडे हुये हर नेता के लिये यह अनिवार्य किया जावे कि उन्हें अपने बच्चों को शासकीय शिक्षण संस्थाओं में पढ़ना जरूरी होगा? वही दूसरी ओर जो बच्चें किसी सरकारी संस्था से पढ़ाई करके जब शासन की नौकरी पाने की लाईन में लगे होते है तो उन्हें प्राथकिता देना चाहिये। यदि यह आदेश सरकार द्वारा लागू कर दिया जावे तो निश्चित तौर से सरकारी शिक्षण संस्थाओं की सूरत बदलने में देर नही लगेगी।

हर्रई के स्कूल में निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी।

ग्राम हर्रई के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ह में क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल द्वारा कक्षा छठवीं के 18 एवं कक्षा 9 वी के 24 छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इसी अवसर पर कक्षा 12वीं में प्रथम अदिति रावत, द्वितीय गौरी शर्मा एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्रा समीक्षा विश्वकर्मा को भी मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती शानू मेहरा को नरसिंहपुर में निशुल्क नीट कोचिंग में योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने उदबोधन मे विधायक पटैल ने कहा कि मध्यप्रदेश का स्कूल शिक्षा विभाग विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और हर विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। इसके लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन, डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था जैसी अनेक योजनाएं शामिल हैं।आज सरकार शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित नहीं रख रही। बल्कि विद्यार्थियों को तकनीकी, व्यावसायिक और कौशल आधारित शिक्षा से भी जोड़ रही है, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर और सक्षम नागरिक बन सकें।कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य महेंद्र कौरव के द्वारा बताया गया की निशुल्क साइकिल वितरण से छात्र-छात्राओं को दूर से स्कूल आने में सुविधा रहेगी। इस अवसर पर राव वीरेंद्र सिंह, अवधेश प्रताप सिंह पटेल,जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल ,गिरधारी लाल वर्मा जी, हर्षदत्त शर्मा ,मंडल अध्यक्ष प्रताप कौरव, राव देवराज सिंह, संतोष शर्मा, जितेंद्र शर्मा, भागवेंद्र कौरव ,सुरेंद्र पालीवाल, नीर पेठिया, रमाकांत शर्मा, प्रमोद शर्मा, राजेश शर्मा, योगेश मदारिया सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिनेश शर्मा, अरुण पटेल, भोजराज ठाकुर, ओम प्रकाश कौरव, महेंद्र वर्मा, श्रीमती ऋचा कोरी श्रीमती शम्मी शर्मा, श्रीमती पिंकी सोनी पूजा वर्मा, नवीन पटेल, सुरेश विश्वकर्मा बृजेश चौधरी, प्रकाश रजक द्वारिका प्रसाद यादव मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर ओशो लीला आश्रम में तीन दिवसीय ध्यान शिविर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। विश्व प्रसिद्ध दार्शनिक एवं आध्यात्मिक गुरु ओशो रजनीश की कर्मस्थली माने जाने वाले ओशो लीला आश्रम, गाडरवारा में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर तीन दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 27 जुलाई की संध्या से प्रारंभ होकर 30 जुलाई 2026 को सम्पन्न होगा। शिविर का आयोजन स्वामी ध्यान आकाश एवं स्वामी आनंद नारायण के संयुक्त सान्निध्य में किया जाएगा। आश्रम प्रबंधन के अनुसार शिविर में स्थानीय सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से ओशो संन्यासी एवं ध्यान साधक शामिल होंगे। तीन दिनों तक आश्रम परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा, ध्यान और आत्मचिंतन के वातावरण से सराबोर रहेगा। विभिन्न ध्यान विधियों का होगा अभ्यास, शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल से ही विभिन्न ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें सक्रिय ध्यान (डायनेमिक मेडिटेशन), नादब्रह्म ध्यान, विपश्यना ध्यान, कुंडलिनी ध्यान सहित अनेक ध्यान विधियों का अभ्यास कराया जाएगा।

संध्याकाल में व्हाइट रोब ब्रदरहुड मेडिटेशन, सत्संग, ओशो प्रवचन माला का श्रवण, भजन-कीर्तन, नृत्य एवं आनंद उत्सव का आयोजन होगा। रात्रि 9 बजे तक चलने वाले इन कार्यक्रमों में सहभागी साक्षी भाव के साथ ध्यान एवं आध्यात्मिक अनुभवों का रसास्वादन करेंगे। गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व। आयोजकों के अनुसार गुरु पूर्णिमा आत्मचिंतन, साधना और गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर आयोजित ध्यान शिविर का उद्देश्य लोगों को मानसिक शांति, आत्मिक ऊर्जा और सकारात्मक जीवन शैली की ओर प्रेरित करना है। ओशो की शिक्षाओं पर होगा मंथन। शिविर के दौरान ओशो की आध्यात्मिक शिक्षाओं, ध्यान दर्शन और जीवन के विभिन्न आयामों पर भी चर्चा होगी। आयोजकों का कहना है कि ओशो ने ध्यान को जीवन का उत्सव बताया है और उनकी ध्यान पद्धतियां आज भी विश्वभर में लाखों लोगों को आंतरिक शांति और आत्मबोध का मार्ग दिखा रही हैं। ओशो लीला आश्रम के मीडिया प्रभारी स्वामी राजेश नीरस ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस विशेष ध्यान शिविर में स्थानीय एवं बाहरी ओशो संन्यासियों के साथ-साथ आम नागरिक भी भाग ले सकेंगे। उन्होंने सभी ध्यान साधकों एवं आध्यात्मिक जिज्ञासुओं से शिविर में शामिल होकर ध्यान और आत्मिक जागरण के इस अवसर का लाभ उठाने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

वर्षों पुरानी बिजली लाईनों के भरोसे चल रही अटल ज्योति योजना से परेशान हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/ पलोहा बड़ा। जिस प्रकार से शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली देने की बात कहते हुए अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था जिसके चलते जहां लोगों में खुशी देखने मिल रही थी, मगर यह योजना इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जिस प्रकार से वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में चलते हुए देखी जा रही है उसके चलते ग्रामवासियों को सिर्फ परेशानी ही नही बल्कि इस योजना के तहत 24 बिजली मिल पाना मुश्किल हो रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के तहत जिस प्रकार से सिंचाई हेतु अलग वह घरेलू उपयोग हेतु अलग अलग बिजली लाईनों का विस्तार करने के लिए निजी कंपनियों को ठेका देते हुए कार्य कराया गया था। मगर बिजली लाईनों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों द्वारा पुराने ही बिजली तारों के माध्यम ही इस योजना को स्वरूप बदते हुए कम बोल्टेज वाले तारों पर हाई बोल्टेज की सप्लाई कर दी गई है जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से निर्मित होते हुए देखी जा रही है कि वर्षो पुराने यह तार जहां हाई बोल्टेज को सहन नही कर पा रहा है, क्योंकि पहले ही लो वोल्टेज में आये दिन टूटते हुए देखे जाते थे और अब हाई वोल्टेज के चलते यह आये दिन टूटने के कारण जहां ग्रामीणों को बिजली उपलब्ध कराने की बात तो दूर खतरा साबित होते हुए दिखाई दे रहे है? इतना ही नही आये दिन तारों के टूटने के कारण जहां किसानों के खेतों में आगजनी की घटनाएं घटित होने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर प्रदेश सरकार की अटल ज्योति योजना पर भी प्रश्न चिन्ह लगाते हुए देखे जा रहे है।

नियमों के विपरीत नम्बर प्लेट पर नम्बर की जगह लिखा हुआ म.प्र.शासन, संबंधित विभाग दिखाई दे रहा उदासीन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपना रूतवा झाडने के लिए अपने वाहनों में नियम विरूद्व लाल नीली या फिर पिली बत्ती लगाते हुए व्ही आई पी कल्चर झाड़ने से नही चूकते है, वही दूसरी ओर कुछ लोगों द्वारा समाज व अधिकारियों के बीच रौब दिखाने व आये दिन होने वाली वाहन चैकिंगों से बचने के लिए अपने वाहनों में नियम विरूद्व म.प्र. शासन व हुटर लगाते हुए खुलेआम यातायात नियमो की धज्जियाँ उडाते हुए देखे जाते है? यह बात अलग है कि देश के प्रधान मंत्री द्वारा बीते हुए कुछ वर्ष पहले इस व्ही आई पी कल्चर को समाप्त करने के लिए मंत्रियों से लेकर अन्य लोगों के वाहनों में लगने वाली लाल बत्तियों को तो समाप्त कर दिया गया है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्व म.प्र. शासन व हूटर लगाते हुए व्ही आई पी कल्लचर झाड़ने से नही चूक रहे है? इसी के चलते इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में भ्रमण करने वाले अनेक वाहनों की स्थिति यह बनी हुई है कि वह अपने निर्धारित माप दंडो को दर किनार करते हुए इन वाहनों के मालिको द्वारा संचालन किया जा रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो अनेक लोगों द्वारा नियम विरूद्व अपने वाहनों में म.प्र. शासन व पुलिस तथा प्रेस शब्दों का लेख कराते हुए धडल्ले से संचालित करते हुए अधिकारियों से लेकर आम लोगों को भी गुमराह किया जा रहा है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस नगर में भी देखने मिली है जब एक नई नबेली चार पहिया गाड़ी में नम्बर प्लेट पर नम्बर की जगह नियम विरूद्व म.प्र. शासन लिखा हुआ लोगों ने देखा तो लोग यह बात कहने से नही चूके कि भले ही मोदी जी देश को सुधारने के लिए कितना ही प्रयास कर ले मगर मनमानी करने वाले अपनी मनमानी करने से शायद ही कभी चूक पाये? जबकि बताया जाता है म.प्र. शासन सिर्फ उसी वाहन में लिखा जा सकता है जिसको म.प्र. शासन ने अपने नाम से खरीदा गया हो न कि किसी निजी वाहन या फिर किराये से लगाये गये वाहन में मगर इसके बाद भी इस प्रकार से म.प्र.शासन लिखे हुए वाहन सड़कों पर आसानी से देखे जा रहे है जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज करते हुए देखा जा रहा है..? इस प्रकार से टेक्सी कोटा के वाहन में धडल्ले से म.प्र.शासन उस जगह लिखा हुआ देखा जाता है जहां नियम के तहत नम्बर लिखा होना चाहिए। जबकि आरटीओ के नियम के तहत बताया जाता है कि वाहन की नम्बर प्लेट में किसी भी प्रकार की छेड़खानी करने का अधिकार नही होता है और निर्धारित नियम अनुसार नम्बर प्लेट में नम्बर दर्ज किया जाता है? मगर इसके बाद भी नगर में खुलेआम लोगों द्वारा अपने वाहनों में म.प्र. शासन या फिर अन्य लेख कराते हुए नगर की सड़कों पर धडल्ले से दौडाते हुए देखा जाता है जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन मूक बना हुआ यह सब देख रहा है? जबकि गौर किया जावे तो पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन वाहनों की चैकिंग के नाम पर जहां तहां चैकिंग शिविर लगाते हुए जांच की जाती है इसके बाद भी इस प्रकार के वाहनों को न पकड पाना जहां प्रशासन की भूमिका पर सबाल खड़े करते हुए जान पड़ रहा है, वही दूसरी ओर बताया जाता है कि इस प्रकार से म.प्र.शासन का लेख कराते हुए वाहन चालकों द्वारा शासकीय वाहन का रोब दिखाते हुए लोगों में दहशत फैलाने के साथ साथ अनेक प्रकार के अनैतिक कार्य करने से भी नही चूकते है? जिसका उदाहरण उस समय देखने मिला था जब कुछ वर्ष पहले क्षेत्र सहित बनखेड़ी सहित क्षेत्र की अन्य बैकों में हुई अनेक बड़ी चोरीं की घटनाओं में पुलिस द्वारा चोरों के साथ जिस वाहन को जप्त किया गया था उसमें भी इसी प्रकार से म.प्र.शासन लिखा हुआ था जिसके चलते यह वाहन रात रात भर सड़को पर घूमते हुए चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा और उस वाहन को रोकने के लिए किसी की हिम्मत नही होती थी? इस प्रकार से यदि समय रहते हुए प्रशासन द्वारा इस प्रकार से नियम विरूद्व म.प्र. शासन लिखे हुए वाहनों की ओर गौर नही किया गया तो निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने से भी इंकार नही किया जा सकता है।

समनापुर में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के तहत शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

डिंडौरी। विद्यार्थियों में जीवनोपयोगी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से संचालित सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को समनापुर विकासखंड के एकीकृत शासकीय बालक माध्यमिक शाला, समनापुर में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विकासखंड के विभिन्न माध्यमिक, एकीकृत माध्यमिक एवं संदीपनी विद्यालयों के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की।प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर्स दीपभान राठौर, श्रीमती विजय भारती एवं सुश्री शशि मरावी ने किया। उन्होंने कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम, गतिविधियों तथा सत्र संचालन की व्यवहारिक जानकारी साझा करते हुए शिक्षकों को कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया।

इस अवसर पर जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह परमार एवं विकासखंड प्रबंधक नीरज तिवारी ने बताया कि सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में संवाद कौशल, आत्म-प्रबंधन, रचनात्मकता, निर्णय क्षमता, समस्या समाधान, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित किए जा रहे हैं। इन कौशलों के माध्यम से विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक बल्कि व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन की चुनौतियों का भी आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के प्रभावी संचालन से विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक एवं विश्वासपूर्ण संबंध मजबूत हुए हैं। अब विद्यार्थी बिना किसी संकोच के अपने विचार और समस्याएं शिक्षकों तथा साथियों के साथ साझा कर रहे हैं, जिससे विद्यालयों में सीखने का वातावरण अधिक सहभागी और संवादात्मक बन रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यालयों में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

छात्राओं संग जमीन पर बैठ लिया मिड-डे मील का स्वाद

कलेक्टर ने बजाग के कन्या शिक्षा परिसर में वहां पढ़ रही छात्राओं से सीधा संवाद किया। जब छात्राओं ने भविष्य में डॉक्टर, वकील और पुलिस अधिकारी बनने का सपना साझा किया, तो कलेक्टर ने उनकीहौसलाअफजाई करते हुए उन्हें बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर अंक लाने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स दिए। इसके बाद उन्होंने छात्राओं के साथ जमीन पर बैठकर दोपहर का भोजन (मिड-डे मील) किया और परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।दौरे के समापन पर जनपद पंचायत बजाग के सभागार में एक उच्च स्तरीय मैराथन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नीति आयोग के एबीएफ डॉ. विकास जैन ने आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के सभी 38 इंडिकेटर्स (संकेतकों) की बिंदुवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।कलेक्टर ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि और वित्तीय समावेशन के संकेतकों में पिछड़े क्षेत्रों पर असंतोष जताया और अधिकारियों को कमजोर कड़ियों को सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

कटनी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश पूर्व में नवीन या नवीनीकरण आवेदन करने से वंचित रह गए थे, वे अब 31 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कटनी ने बताया कि नवीन या नवीनीकरण आवेदन करने से वंचित रह गए छात्रों के लिए एमपीटास पोर्टल को पुनः खोला गया है, जिससे पात्र छात्र-छात्राएं समय सीमा के भीतर अपना आवेदन पूर्ण कर सकें। सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि से पहले पोर्टल पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके।

लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को,

कटनी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले में 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सरल निराकरण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करें।

वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद सिंह का निधन, शिक्षा एवं सामाजिक जगत में शोक

अनूपपुर। जिले के वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद सिंह का शुक्रवार देर शाम निधन हो गया। वे पिछले तीन-चार माह से अस्वस्थ थे और उनका उपचार तमिलनाडु के वेल्लूर स्थित सीएमसी अस्पताल में चल रहा था। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। स्वर्गीय अरविंद सिंह समाजसेवी शिक्षक अनिल सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अखिलेश सिंह के बड़े भाई थे। उनके निधन की खबर मिलते ही शिक्षा, सामाजिक एवं अधिवक्ता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं परिचितों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अरविंद सिंह अपने सरल, सौम्य, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपने शिक्षकीय जीवन में अनेक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से जिले ने एक सम्मानित शिक्षक और समाज ने एक संवेदनशील व्यक्तित्व को खो दिया है। परिजनों के अनुसार, स्वर्गीय अरविंद सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को उनके गृह नगर में किया जाएगा।

कीर्ति गुप्ता को भाजपा महिला मोर्चा डिंडौरी की कमान

डिंडौरी। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार के तहत महिला मोर्चा के जिला अध्यक्षों की नई सूची जारी करते हुए डिंडौरी जिले की कमान विक्रमपुर क्षेत्र की जनपद सदस्य कीर्ति गुप्ता को सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति के बाद महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे राजवाड़े ने नियुक्ति आदेश जारी किया।

कीर्ति गुप्ता वर्तमान में विक्रमपुर क्षेत्र से जनपद सदस्य हैं और लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। उनकी सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। जनपद सदस्य के रूप में उनके अनुभव का लाभ महिला मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार में मिलेगा। उनके नेतृत्व में जिले में महिला कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठित करने, पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने तथा महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।नियुक्ति की घोषणा के बाद भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने कीर्ति गुप्ता को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में डिंडौरी भाजपा महिला मोर्चा संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

अटरिया आंगनबाड़ी केंद्र में मिली लापरवाही कलेक्टर ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अटरिया आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान केंद्र में शासन से उपलब्ध कराए गए खिलौने, कुर्सियां एवं अन्य सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा था। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया।निरीक्षण के बाद कलेक्टर ने संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती उमा त्रिवेदी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा संबंधित पर्यवेक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से मिल सके।

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने स्पष्ट किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो कार्यकर्ता नियमित रूप से केंद्र का संचालन नहीं करेंगी या बच्चों को निर्धारित सुविधाएं एवं पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतेंगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंभीर मामलों में सेवा समाप्ति जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी करने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों और हितग्राहियों को योजनाओं का पूरा लाभ समय पर मिल सके।

13-14 जुलाई को जिले की 35 शालाओं में होगा पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना का सोशल ऑडिट

डिंडौरी। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के प्रभावी संचालन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में 13 एवं 14 जुलाई को सोशल ऑडिट आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश स्टेट सामाजिक संपरीक्षा समिति, भोपाल के पत्र क्रमांक 518, दिनांक 8 जुलाई 2026 के निर्देशानुसार जिले के सभी पांचों विकासखंडों की सात-सात शालाओं सहित कुल 35 विद्यालयों में सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा। इस दौरान योजना के क्रियान्वयन, गुणवत्ता, लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं तथा निर्धारित मानकों के पालन की समीक्षा की जाएगी।सोशल ऑडिट की तैयारियों के तहत जिला पंचायत डिंडौरी के सभागार में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कार्यालय, भोपाल एवं स्टेट सामाजिक संपरीक्षा समिति, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के सभी विकासखंड समन्वयक (सामाजिक अंकेक्षण) तथा ग्राम सामाजिक एनीमेटरों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पंकज जैन, जिला समन्वयक सामाजिक अंकेक्षण कृष्णकांत दुबे तथा प्रभारी पीएम पोषण रामजीवन कुमार वर्मा ने सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के उद्देश्यों, निरीक्षण के बिंदुओं तथा सोशल ऑडिट के प्रभावी संचालन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण का उद्देश्य योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाना, जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा योजनाओं के लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक सुनिश्चित करना है।अधिकारियों ने सभी समन्वयकों एवं सामाजिक एनीमेटरों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ सोशल ऑडिट पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं प्रभावी सामाजिक अंकेक्षण से योजना के संचालन में सुधार, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा तथा भविष्य में योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए उपयोगी सुझाव भी प्राप्त होंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर नवोदय विद्यालय की जनजागरण

विद्यार्थियों ने दिया जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में शनिवार को जनसंख्या नियंत्रण, परिवार कल्याण एवं सतत विकास के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता करते हुए आमजन को छोटे परिवार और संतुलित जनसंख्या के महत्व का संदेश दिया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक के मार्गदर्शन में आयोजित इस जनजागरण अभियान में विद्यालय परिवार ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। रैली में शिक्षक रमेश कुमार सिंह, अतुल सिंह, ऋषि राज पांडे, अल्पना अग्रवाल, अभिलाष पनिका एवं श्रीमती रामेश्वरी टांडिया सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। लगभग एक सैकड़ा छात्र-छात्राओं ने हाथों में जनसंख्या जागरूकता संबंधी तख्तियां और बैनर लेकर नगरवासियों को जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। जीवन को खुशहाल बनाओ, बढ़ती आबादी पर रोक लगाओ पृथ्वी ही है मनुष्य का घर, जनसंख्या वृद्धि से न बनाओ नरक, अधिक जनसंख्या एक विपत्ति है, यह विनाश की उत्पत्ति है, बढ़ती जनसंख्या पर रोक लगाना है, भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तथा स्वस्थ जीवन, खुशहाल परिवार हम दो, हमारे दो है।

आकांक्षी ब्लॉक बजाग में कलेक्टर दौरा, 38 इंडिकेटर्स की समीक्षा

स्कूल में कम उपस्थिति और आंगनबाड़ी की बदहाली पर शिक्षिका-सुपरवाइजर को नोटिस

डिंडोरी। नीति आयोग के 'आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम' की जमीनी हकीकत जानने के लिए कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शनिवार को विकासखंड बजाग का सघन और औचक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और बुनियादी ढांचे से जुड़े विकास कार्यों का कड़ा निरीक्षण किया। शासकीय कार्यों में लापरवाही और ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कलेक्टर ने तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने अपने दौरे की शुरुआत ग्राम सुनियामार से की, जहां उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र और जनपद पंचायत ई-सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों ने पेंशन, बिजली, पीएम आवास और पट्टा न मिलने जैसी कई गंभीर समस्याएं

सामने रखीं। सुनियामार में नवनिर्मित सीसी रोड की गुणवत्ता पर उठे सवालों को देखते हुए कलेक्टर ने आरईएस (RES) और पीएचई (PHE) के एसडीओ को कड़ी फटकार लगाई और दो दिन के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही 65 लाख रुपये की लागत से बन रहे नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन को तय समय-सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने की हिदायत दी।

शासकीय प्राथमिक शाला बरगांव के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शिक्षा के स्तर पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। स्कूल की कक्षा में मात्र 10 विद्यार्थी उपस्थित मिलने पर उन्होंने संबंधित शिक्षिका को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां मौजूद छात्रा राधिका का आधार कार्ड (शासकीय पहचान पत्र) प्राथमिकता से बनवाने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया।इसके बाद, आंगनबाड़ी केंद्र अतरिया में भारी कमियां और अव्यवस्था पाए जाने पर कलेक्टर का पारा चढ़ गया। उन्होंने लापरवाही के आरोप में वहां की कार्यकर्ता और सुपरवाइजर को नोटिस थमाते हुए व्यवस्थाएं तुरंत सुचारु करने की चेतावनी दी।

राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, विभाग की अनदेखी से बढ़ा खतरा

बरसात में गड्ढों में भर रहा पानी, दरारों और क्षतिग्रस्त पुलियों से वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

अनूपपुर। अनूपपुर से मनेन्द्रगढ़ को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-43 इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे, उभर आई लंबी दरारें और पुलियों पर क्षतिग्रस्त हिस्से लगातार दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे हैं। बरसात के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए जोखिम कई गुना बढ़ गया है। अनूपपुर से कोतमा और आगे बेलिया फाटक तक सड़क के कई हिस्सों में पूर्व में कराए गए पैचवर्क भी उखड़ चुके हैं। कोतमा से बेलिया फाटक, अनूपपुर से कोतमा, बदरा के समीप गोडहारी पुलिया तथा भारत पेट्रोलियम डिपो के आगे पुल सहित कई स्थानों पर सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कई जगह सड़क बीच से फटती हुई दिखाई दे रही है, जबकि पुलों के ऊपर बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

टोल टैक्स की वसूली, लेकिन सड़क बदहाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि टोल टैक्स के रूप में बड़ी राशि वसूली जा रही है, लेकिन सड़क की

नियमित मरम्मत और रखरखाव पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। एमपीआरडीसी द्वारा पूर्व में सीमेंट से पैचवर्क कराया गया था, लेकिन वह कुछ ही दिनों में उखड़ गया। इसके बाद दोबारा प्रभावी मरम्मत नहीं कराए जाने से सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है।

दोपहिया वाहन चालकों पर सबसे अधिक खतरा

अनूपपुर से बेलिया फाटक तक लगभग 52 किलोमीटर लंबे मार्ग में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर गड्ढे और दरारें बन चुकी हैं। इनसे गुजरते समय दोपहिया वाहनों का संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन गड्ढों के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन संबंधित विभाग ने अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

यात्री प्रतीक्षालय और पेयजल सुविधा भी बदहाल

राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बनाए गए कई यात्री प्रतीक्षालय जर्जर हो चुके हैं। बरसात के मौसम में यात्रियों को खुले में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। वहीं सड़क निर्माण के दौरान हटाए गए हैंडपंपों के स्थान पर अब तक वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो बढ़ सकता है हादसों का खतरा

अनूपपुर से साधा, बदरा, कोतमा और बेलिया फाटक तक कई स्थानों पर सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। बरसात में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से शीघ्र व्यापक मरम्मत कार्य कराने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा यात्रियों की मूलभूत सुविधाएं बहाल करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया तो राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

उत्पाती बंदरों ने छीनी रामसेतु की जगमगाहट करोड़ों की विद्युत सज्जा हुई क्षतिग्रस्त

शाम ढलते ही फीका पड़ रहा रामघाट का आकर्षण, पर्यटक निराश

अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल अमरकंटक में रामघाट स्थित रामसेतु (झूला पुल) की आकर्षक विद्युत सज्जा उत्पाती बंदरों के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। कभी रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाने वाला यह पुल अब शाम ढलते ही अंधेरे में डूबने लगा है, जिससे यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 10 में स्थित रामसेतु का निर्माण मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया था। पुल को आकर्षक स्वरूप देने के लिए अत्याधुनिक एलईडी लाइटों, रंगीन विद्युत झालरों और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था से सजाया गया था। रात के समय यह सेतु अमरकंटक की पहचान बन चुका था और बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक इसकी मनमोहक रोशनी का आनंद लेने पहुंचते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ समय से बंदरों के लगातार उत्पात के चलते पुल पर लगी विद्युत झालरों, केबलों और अन्य विद्युत उपकरणों को जगह-जगह से कुतर दिया गया है। इसके कारण पूरी लाइटिंग व्यवस्था लगभग ठप हो गई है। वर्तमान स्थिति यह है कि संध्या के समय केवल कुछ लाइटें ही जलती दिखाई देती हैं, जबकि अधिकांश प्रकाश व्यवस्था बंद पड़ी है। कुछ सप्ताह पहले तक जगमगाने वाला रामसेतु अब अपनी चमक खो चुका है। नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से विकसित इस आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की चमक मुश्किल से एक माह तक ही

बनी रह सकी। बंदरों द्वारा लगातार नुकसान पहुंचाए जाने के कारण लाखों रुपये की विद्युत सज्जा बेकार होती नजर आ रही है। इससे न केवल पर्यटन प्रभावित हो रहा है, बल्कि धार्मिक स्थल की सुंदरता पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने रामसेतु का संचालन एवं रखरखाव नगर परिषद अमरकंटक को सौंप दिया है। वर्तमान में इसकी देखरेख की जिम्मेदारी नगर परिषद के पास है। हालांकि क्षतिग्रस्त विद्युत तारों और उपकरणों के कारण सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई हैं। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई और बंदरों से सुरक्षा के प्रभावी उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में किसी अप्रिय दुर्घटना की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। नगरवासियों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने जिला प्रशासन, मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम और नगर परिषद अमरकंटक से मांग की है कि रामसेतु की विद्युत सज्जा का शीघ्र नवीनीकरण कराया जाए। साथ ही ऐसी स्थायी सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे बंदरों द्वारा दोबारा नुकसान न पहुंचाया जा सके और रामसेतु एक बार फिर अपनी भव्य रोशनी के साथ अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का स्वागत कर सके।

खबर संक्षेप

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन सख्त, तीन वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं खनिज अधिकारी सोहन सलामे के मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 10 जुलाई को खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों को जब्त कर उनके विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। कार्रवाई के दौरान खनिज निरीक्षक श्रीमती अनुपमा सिंह बघेल ने जैतपुर क्षेत्र में जांच के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 22 एबी 9006 एवं डम्पर क्रमांक एमपी 20 एचबी 9879 को बिना वैध ईटीपी (ई-ट्रांजिट पास) के खनिज मुरुम का परिवहन करते हुए पकड़ा। दोनों वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में सिंगपुर चैकी में खड़ा कराया गया तथा नियमानुसार अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया। इसी कार्रवाई के दौरान एक अन्य बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली खनिज डस्टध्गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाई गई। उक्त वाहन को थाना स्टेशनगंज में खड़ा कर उसके विरुद्ध भी अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया। खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भारत विकास परिषद सेवा पखवाड़ा संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारत विकास परिषद द्वारा 27 जून से 10 जुलाई तक देशभर में आयोजित सेवा पखवाड़े का समापन नरसिंहपुर एवं विवेकानंद शाखा के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न सेवा गतिविधियों के साथ किया गया। इस अवसर पर पौधरोपण,पर्यावरण जागरूकता, रक्तदान तथा निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण,स्थापना दिवस आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत सदस्यों के सुरक्षित परिसरों में 30 पौधों का रोपण किया गया। वहीं परिषद के 8 सदस्यों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। जिला चिकित्सालय में आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर में लगभग 60 मरीजों की आंखों की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार उन्हें निःशुल्क चश्मों का वितरण भी किया गया। गरीब परिवारों को बच्चों की पढ़ाई हेतु कॉपियां प्रदान की गई। परिषद के रीजनल अध्यक्ष इंजी. सुनील कोठारी ने कहा कि सेवा ही भारत विकास परिषद की पहचान है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित सेवा पखवाड़े के माध्यम से परिषद की सभी शाखाओं ने जनकल्याण के विविध कार्य किए हैं। नेशनल प्रोजेक्ट (पर्यावरण) के जे. के. शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधरोपण का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधे की जिम्मेदारी ले, तो हरित एवं स्वच्छ भारत का लक्ष्य सहज ही प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर प्रांत मार्गदर्शक संजय तिवारी, प्रांतीय संस्कार प्रमुख आशुतोष वर्मा, नरसिंहपुर शाखा अध्यक्ष उमेश दुबे, विवेकानंद शाखा अध्यक्ष राजेश नेमा, डॉ. ब्रजेश पटेल, एस. के. नेमा, ब्रजेश नेमा, नरेंद्र नेमा एल आई सी, अनुराग गुप्ता, विकास नेमा, सोमराज कोरी, सृजन नेमा, अंकुर राजपूत, किरण नेमा, मंजू पटेल, सुनीता शर्मा, दीपा नेमा सहित परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता, नामांकन और आधारभूत सुविधाओं हेतु दिए निर्देश

शैक्षणिक गुणवत्ता पर करें फोकस, प्रदेश की मेरिट में आएं विद्यार्थीः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। अभी से प्रभावी रणनीति बनाकर कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग दिया जाए, ताकि जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर सकें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने शुक्रवार को चावरपाठा विकासखंड में आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में नामांकन, शिक्षण व्यवस्था, शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जो विद्यालय बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, उनके नवाचारों को अन्य विद्यालयों में भी लागू किया जाए तथा अपेक्षाकृत कमजोर विद्यालयों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए।

अतिरिक्त कक्षाएं करें संचालित

उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का नियमित मूल्यांकन करने के लिए प्रत्येक सप्ताह रैंडम विषयों के टेस्ट आयोजित किए जाएं। परीक्षा प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम विवरण के अनुरूप तैयार किए जाएं, ताकि बच्चों की वास्तविक शैक्षणिक प्रगति का आकलन हो सके। एफएलएन (थ्स्छ) सर्वे के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी का विषयवार डेटा तैयार कर उसमें सुधार किया जाए, जिससे समय पर पुनरावृत्ति कराने और सीखने में आ रही कठिनाइयों का समाधान करने में शिक्षकों को सुविधा मिले। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में पूरे वर्ष की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर अभी से तैयार किया जाए। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए नीट एवं आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने की भी योजना बनाई जाए।

शिक्षा गुणवत्ता व नामांकन स्थिति की समीक्षा

उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा को भी वार्षिक शैक्षणिक योजना में शामिल करने तथा व्यावसायिक शिक्षा (वोकेशनल ट्रेनिंग) के माध्यम से विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री प्रगति पोर्टल पर शिक्षा की गुणवत्ता एवं नामांकन की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही विद्यार्थियों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं, स्कूल भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति, शौचालयों की कार्यशीलता एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को समय पर पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में कक्षा 1 एवं 6 के नामांकन, कम नामांकन वाले विद्यालयों की स्थिति, अपार आईडी, साइकिल वितरण, पाठ्यपुस्तक उपलब्धता, सीएम हेल्पलाइन प्रकरण, यू-डाइस प्रोग्रेशन, ड्रॉप बॉक्स, "एक पेड़ मां के नाम" अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों की लोकेशन मैपिंग तथा विद्यालय भवनों की स्थिति की भी बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

तलापार स्कूल में चलाया नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान

जिले के युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने एवं समाज में नशा मुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कला पथक दल एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय हाई स्कूल तलापार में "नशा मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कला पथक दल द्वारा गीतों की प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई एवं उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में यह एक सार्थक पहल है।

वार्डों में लगाये जा रहे शिविर

तेंदूखेड़ा। शासन की विभिन्न योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से नगर परिषद क्षेत्र में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में नगर परिषद के वार्डों में निवासियों को लक्षित कर विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की गई। शिविर के दौरान नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा मुस्तैदी से कार्य करते हुए पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने संबल एवं कर्मकार मंडल कार्ड के नवीनीकरण व नए पंजीयन तथा समग्र आईडी की ई.केवाईसी जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए। परिषद के विभागीय अमले ने मौके पर ही आवेदनों का परीक्षण कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की। हितग्राहियों ने शासन की इस पहल की सराहना की जिससे उन्हें एक ही छत के नीचे विभिन्न योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त हुआ। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे और अपनी पात्रता के अनुसार योजनाओं में अपना पंजीयन करवाया।

पुलिस कर्मियों को दिया गया स्वास्थ्य एवं सीपीआर का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस लाइन में लगभग 80 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) एवं सीपीआर (बेसिक लाइफ सपोर्ट) विषयों पर एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला क्षय अधिकारी (डीटीओ) डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सुनील पटेल, आरकेएसके काउंसलर श्रीमती मृदुला सोनी एवं मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंकित श्रीवास्तव ने सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. सुनील पटेल ने तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि निरंतर तनाव, अवसाद एवं मानसिक दबाव व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। उन्होंने समय पर परामर्श लेने, सकारात्मक सोच अपनाने, नियमित व्यायाम करने एवं पर्याप्त नींद लेने को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया। श्रीमती मृदुला सोनी ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) की जानकारी देते हुए बताया कि किशोर एवं किशोरियों में नशे की प्रवृत्ति, हार्मोनल बदलाव, यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई), मानसिक तनाव एवं एनीमिया जैसी समस्याओं के समाधान हेतु जिले के सभी विकास खंडों में आरकेएसके परामर्श केंद्र संचालित हैं, जहाँ निःशुल्क परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है। डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह ने प्रतिभागियों को सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति की सांस या हृदय की धड़कन रुक जाए, अचानक कार्डियक अरेस्ट हो, डूबने या करंट लगने जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध होने तक सही तरीके से दिया गया सीपीआर जीवन रक्षक साबित हो सकता है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि सीपीआर प्रारंभ करने से पूर्व स्थान की सुरक्षा सुनिश्चित करें, मरीज की प्रतिक्रिया जांचें एवं तुरंत 108 एम्बुलेंस या अन्य आपातकालीन चिकित्सा सेवा को सूचित करें। यदि व्यक्ति सांस नहीं ले रहा हो या केवल हांफ रहा हो, तभी प्रशिक्षित विधि से सीपीआर प्रारंभ करें। सीपीआर के दौरान दोनों हाथों को छाती के मध्य भाग पर रखकर लगभग 100 से 120 दबाव प्रति मिनट की गति से छाती को दबाया जाता है। मरीज के सामान्य रूप से सांस लेने लगने या चिकित्सकीय टीम के पहुंचने पर सीपीआर रोक देना चाहिए। प्रशिक्षकों ने यह भी बताया कि गलत तकनीक से सीपीआर देने पर चोट लग सकती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इसका प्रशिक्षण लेना आवश्यक है, जिससे आपात स्थिति में सही सहायता प्रदान कर जीवन बचाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे आमजन के लिए भी जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

बेटियों ने निभाया बेटे का फर्ज, पिता को दी मुखाग्नि

नरसिंहपुर। सिंहपुर महाजन परिवार के जितेंद्र महाजन के निधन के बाद उनकी दोनों बेटियों ने रूढ़िवादिता को पीछे छोड़ते हुए पिता का अंतिम संस्कार किया। हृदय घात से जितेंद्र महाजन का निधन हो गया था। उनके कोई बेटा नहीं था, जिसके बाद उनकी दोनों बेटियों—आयुषी और अन्वी—ने मिलकर पिता को मुखाग्नि दी और अंतिम संस्कार की सभी रस्में पूरी कीं।

परिवार और समाज का समर्थन

इस प्रगतिशील कदम के लिए पूरे महाजन परिवार ने एकजुट होकर अपनी सहमति दी। बेटियों ने न केवल मुखाग्नि दी, बल्कि बरमान में खारी (अस्थि) विसर्जन के दिन भी पारंपरिक विधि-विधान के साथ सभी कार्यों को संपन्न किया।दिवंगत जितेंद्र महाजन, सिंहपुर निवासी स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद महाजन के भाई, स्वर्गीय महेंद्र महाजन के पुत्र और नरेंद्र महाजन के भतीजे थे। वे कौशलेन्द्र, शैलेन्द्र, उपेंद्र, मनीष, नीतेश, अंशुल और अभिजीत महाजन के चचेरे भाई थे।

समाज ने सराहा बदलाव

अंतिम संस्कार में शामिल हुए समाज के सभी वर्गों के लोगों ने दोनों बेटियों के इस साहसिक कदम की सराहना की। उपस्थित लोगों ने बेटियों का समर्थन करते हुए संदेश दिया कि समय के साथ समाज में आ रहे इस सकारात्मक बदलाव को सभी को स्वीकार करना चाहिए और इसका समर्थन करना चाहिए।

चोरी के आरोपियों को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राकेश सनोडिया के न्यायालय द्वारा चोरी करने वाले आरोपियों शुभम राजपूत, उम्र 30 साल, निवासी सी.ओ.डी. रोड करौंदी रांझी मस्ताना चौक, थाना रांझी जिला जबलपुर म.प्र. को पृथक पृथक से धारा-331(4) बी.एन.एस. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500 रूपये के अर्थदंड एवं धारा-305(ए) बी.एन.एस. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500 रूपये के अर्थदंड, व शुभम लोधी उम्र 26 साल निवासी मेनरोड लक्ष्मी डेयरी के पास रांझी जबलपुर, थाना रांझी जिला जबलपुर म.प्र को धारा-331(4) बी.एन.एस. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500 रूपये के अर्थदंड, एवं धारा 305 (ए) बी.एन.एस. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

सेक्टर बैठक में दिये आवश्यक निर्देश विश्व जनसंख्या दिवस पर हुये कार्यक्रम

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में सेक्टर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ब्लाक स्तरीय दल द्वारा सेक्टर तेन्दूखेडा के अंतर्गत सभी उपस्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती पंजीयन गर्भवती चार जांच हाईरिस्क गर्भवती प्रबंधन शिशु टीकाकरण गर्भवती एनीमिया की समीक्षा कर लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिये गये।खंड कार्यक्रम प्रबंधक विनोद प्रजापति द्वारा दस्तक अभियान के अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली सेवाओं के संबंध में जानकारी प्रदान कर उपस्वास्थ्य केन्द्रों की कार्य योजना एवं ड्यूलिस्ट प्रदान की गई। मलेरिया निरीक्षक यशवंत शर्मा द्वारा डेंगु मलेरिया की रोकथाम नियंत्रण हेतु निर्देशित किया गया। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर तेजराम गोलंदाज प्रभारी बीईई द्वारा गर्भनिरोधन के स्थाई अस्थाई साधनों के वितरण हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर सेक्टर प्रभारी डा. दामोदर जाटव सेक्टर परवाईसर शफीक कुरैशी डब्ल्यू एच ओ मानीटर यशवंत यादव सभी सीएचओ एएनएम उपस्थित रहे।

शायद किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में विद्युत विभाग

बीच बस स्टैंड पर खुला पड़ा ट्रांसफार्मर

डोभी। बरसात के दिनों में अक्सर कर करेंट लगने से हादसों दुर्घटना के मामले आते रहते हैं। इनके सुधार सुरक्षा सावधानी के लिए जहां आवश्यक ध्यान दिये जाने की जरूरत होती है। लेकिन चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम डोभी मुख्य बस स्टैंड मुख्य मार्ग पर लगा ट्रांसफार्मर दुर्घटना के लिए खुला आमंत्रण दे रहा है।जिसकी जानकारी ग्राम के सजग वर्ग द्वारा विभागीय अधिकारियों को दी गई। इसके बाद भी उनकी चुप्पी सोचनीय विषय बनीं हुई है। नीचे लगा कटआउट बॉक्स आज तक ऊपर नहीं किया गया। बस स्टैंड डोभी ग्राम का व्यस्तम सार्वजनिक मार्ग है। जिसमें लोगों का बड़ी संख्या में आना जाना लगा रहता है। कटआउट बॉक्स जमीन से लगा हुआ है। जिससे मवेशी एवं जन मानस को करेंट लगने का खतरा रहता है। बरसात का मौसम होने के कारण वहां पर करेंट फैलने की आशंका बनीं हुई है।स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के साथ साथ विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि जनहानि पशु हानि को रोकने के लिए शीघ्र ही कटआउट बॉक्स को ऊपर किया जाए।

कभी भी हो सकती है जनहानि

ग्राम के प्रतिष्ठित युवा सौरभ पटेल का कहना है कि कई बार इसकी जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी गई है इसके बाद भी बस स्टैंड बाली डी पी का कटआउट बॉक्स ऊपर नहीं किया गया। जिससे मवेशियों एवं जन मानस को करेंट का खतरा बना रहता है। विद्युत विभाग को चाहिए कि कटआउट बॉक्स को ऊपर किया जाए ताकि कोई बड़ा हादसा न हो पाये।

आता है हल्का करेंट

ग्राम के युवा व्यवसाई स्वप्निल जैन का कहना है कि डीपी के साथ लगा कटआउट बॉक्स जमीन पर रखा है। जिसमें बरसात होते ही हल्का करेंट बना रहता है।अर्थ मिलने के कारण करेंट जल्दी फैलता है और आस पास मवेशियों के साथ आम लोगों का आना जाना बना रहता है। विभागीय अधिकारियों को भी जानकारी है फिर भी इसमें सुधार नहीं हो पा रहा है।

जनहानि पशु हानि का कौन होगा जिम्मेदार

ग्राम के प्रशांत शर्मा का कहना है कि यदि किसी भी प्रकार की कोई जन हानि या पशु हानि होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।बार बार सुधार के लिए कहा भी जा रहा है फिर भी किसी भी प्रकार का कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पात्र हितग्राहियों को मिले योजनाओं का लाभ

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में विकास खंड मुख्यालय चांवरपाठा में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विशेष शिविरों की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की। जिसमें पटवारी ग्राम पंचायत सचिव ग्राम रोजगार सहायक संबंधित विभागों के मैदानी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि शासन की किसी भी योजना का पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।जिन ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं वहां समय सीमा में सभी लंबित कार्यों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन पंचायतों में शिविर आयोजित हो चुके हैं। वहां की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाये।आधार अपडेशन एवं ई.केवाईसी कार्यों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की प्रकरण लंबित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिविरों के लिए अभी कुछ दिन शेष हैं। इसलिए अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचकर आधार अद्यतन ई.केवाईसी तथा अन्य आवश्यक पंजीयन कार्य पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर ने अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को प्रतिदिन शिविरों की प्रगति की समीक्षा एवं रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।ताकि सभी कार्य समय.सीमा में पूर्ण हो सकें। ग्राम पंचायतों में संचालित पौधरोपण अभियान की भी समीक्षा की गई। जिन ग्राम पंचायतों में पौधरोपण किया गया है। वहां की प्रगति की जानकारी लेते हुए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री के सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन पटवारियों की प्रगति 40 प्रतिशत से कम है। उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी निर्धारित समय.सीमा में शत.प्रतिशत सत्यापन कार्य पूर्ण करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना संबल एवं निर्माण कर्मकार मंडल पंजीयन समग्र ई.केवाईसी यूनिक फार्मर आईडी आयुष्मान कार्ड आधार अद्यतन प्रधानमंत्री जीवनज्योति बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के शत.प्रतिशत क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समन्वित प्रयासों से सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में परिवीक्षाधीन एसडीएम तहसीलदार इमरान मंसूरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।